बिहार का मध्यकालीन इतिहास

- **बख्तियार खिलजी**
  - यह कुतुबुद्दीन ऐबक के जनरलों में से एक था।
  - इसने कईं मठों और विहारों को नष्ट कर दिया था।
  - इसने बख्तियारपुर शहर की भी स्थापना की।
  - इसकी मृत्यु बिहार में ही हो गई थी। इसका मकबरा भी बिहार शरीफ में ही बनवाया गया है।
  - दास वंश के शासन के दौरान, बिहार का अधिकांश हिस्सा तुर्क के नियंत्रण में था। इसलिए नियंत्रण हासिल करने के लिए निरंतर संघर्ष होता था।
  - लखनौती और तिरहुत शासकों ने प्रमुख प्रतिरोध प्रदान किया।
  - तुंगलक के शासन के दौरान बिहार में नूहानी राजवंश एक महत्वपूर्ण राजवंश के रूप में उभरा।
  - चेर राजवंश के शासक फूलचंद ने जगदीशपुर मेले की शुरूआत की।

सूर वंश

  - यह मध्ययुगीन काल में बिहार का सबसे महत्वपूर्ण राजवंश था।
  - बिहार के लिए शेर शाह सूरी का शासन काल प्रशंसा का काल रहा है।
  - शेर शाह का मकबरा सासाराम में बनवाया गया है।
  - चौसा का युद्ध, 1539 ईसा पूर्व - शेर शाह ने हुमायूं को हराया और सुल्तान-ए-आदिल का खिताब हासिल किया।
  - इसका एक बहुत ही कुशल प्रशासन था।
  - इनके राजस्व मॉडल को बाद में अकबर द्वारा अपनाया गया था।
  - इसने वर्तमान ग्रांड ट्रंक रोड़ का भी निर्माण करवाया था।
  - बाद में अकबर ने बिहार और बंगाल पर कब्जा कर लिया और इन्हें अपने साम्राज्य में शामिल कर लिया।
  - मुनीम खान को बिहार का गवर्नर बनाया गया।
  - फारूख सियर पटना में शपथ लेने वाले पहले मुगल शासक थे।
  - मुगलों के पतन के साथ, बिहार बंगाल के नवाबों के नियंत्रण में आया।
  - बक्सर की लड़ाई के बाद, बिहार ब्रिटिश के प्रभावी नियंत्रण में आ गया।
- नोट- पटना का पुनः निर्माण और अजीमाबाद नाम सूबेदार अज़ीम-उश-शान द्वारा किया गया था जो मुगल सम्राट औरंगजेब अज़ीम के पोते थे।

byjusexamprep.com